

VISIONIAS

INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

निबंध ESSAY

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: **Three Hours**

टेस्ट कोड/ Test Code : 3128

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 32+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए तीन खाली पृष्ठ (पृष्ठ संख्या. 30-32) दिए गए हैं।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-cum-Answer (QCA) Booklet contains 32+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

Three blank pages (Page Nos. 30-32) have been provided for rough work.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 01167967

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : SALONI GAUTAM

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

ENGLISH

तारीख
Date

31-Aug-2024

निबंध ESSAY

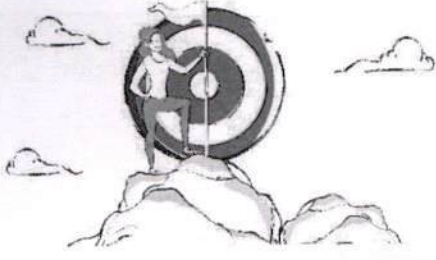
केंद्र
Centre

CHILDREN'S ACADEMY,
DEHRADUN.

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

Priya Verma

	<p style="text-align: center;">महत्वपूर्ण अनुदेश</p> <p>उम्मीदवार को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवार को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द, आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।</p>	<p style="text-align: center;">Important Instructions</p> <p>Candidate should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.</p>
1	<p>(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें।</p> <p>(ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।</p>	<p>(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates.</p> <p>(b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet</p>
2	<p>अपनी क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।</p>	<p>Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.</p>
3	<p>परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।</p>	<p>Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.</p>
4	<p>उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।</p>	<p>Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.</p>
5	<p>उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।</p>	<p>Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.</p>
6	<p>प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।</p>	<p>Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.</p>
7	<p>प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।</p>	<p>Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.</p>
8	<p>यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।</p>	<p>If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.</p>



VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

निबंध

निर्धारित समय: तीन घंटे

टेस्ट कोड : 3128

अधिकतम अंक: 250

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ व पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

ESSAY

Time Allowed : Three Hours

Test Code : 3128

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

World limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

खंड A और B प्रत्येक से एक-एक विषय चुनकर दो निबंध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों में हो :

Write **two** essays, choosing **one** topic from each of the Sections A and B, in about 1000-1200 words each : 125 x 2 = 250

खण्ड – A / SECTION – A

1. विश्व को एक साथ मिलकर कार्य करना सीखना होगा अन्यथा यह कार्य ही नहीं करेगा।
The world must learn to work together, or finally it will not work at all.
2. कला की भांति प्रौद्योगिकी भी मानवीय कल्पना का एक उत्कृष्ट अभ्यास है।
Technology, like art, is a soaring exercise of the human imagination.
3. हमने बेटियों को बेटों की तरह पालना तो शुरू कर दिया है लेकिन, कुछ ही लोगों में अपने बेटों को अपनी बेटियों की तरह पालने का साहस है।
We've begun to raise daughters more like sons, but few have the courage to raise our sons more like our daughters.
4. लोगों की इच्छा अन्याय को न्याय नहीं बना सकती है।
The will of the people cannot make just that which is unjust.

खण्ड – B / SECTION – B

5. किसी विचार को स्वीकार किए बिना उसपर विचार करने में सक्षम होना ही शिक्षित मस्तिष्क की पहचान है।
It is the mark of an educated mind to be able to entertain a thought without accepting it.
6. एक ऐसी दुनिया में, जो लगातार तुम्हें कुछ और बनाने का प्रयास कर रही है, स्वयं को बनाए रखना सबसे बड़ी उपलब्धि है।
To be yourself in a world that is constantly trying to make you something else is the greatest accomplishment.
7. हम चीजों को वैसा नहीं देखते हैं जैसी कि वे होती हैं, बल्कि हम उन्हें वैसा देखते हैं जैसे कि हम हैं।
We don't see things as they are, we see them as we are.
8. सच जब तक अपने जूते पहन रहा होता है, झूठ तब तक आधी दुनिया का सफ़र तय कर लेता है।
A lie can travel half way around the world while the truth is putting on its shoes.

खण्ड – A / SECTION – A

1. विश्व को एक साथ मिलकर कार्य करना सीखना होगा अन्यथा यह कार्य ही नहीं करेगा।
The world must learn to work together, or finally it will not work at all.
2. कला की भांति प्रौद्योगिकी भी मानवीय कल्पना का एक उत्कृष्ट अभ्यास है।
Technology, like art, is a soaring exercise of the human imagination.
3. हमने बेटियों को बेटों की तरह पालना तो शुरू कर दिया है लेकिन, कुछ ही लोगों में अपने बेटों को अपनी बेटियों की तरह पालने का साहस है।
We've begun to raise daughters more like sons, but few have the courage to raise our sons more like our daughters.
4. लोगों की इच्छा अन्याय को न्याय नहीं बना सकती है।
The will of the people cannot make just that which is unjust.

THE WORLD MUST LEARN TO WORK
TOGETHER, OR FINALLY IT WILL NOT WORK
AT ALL

उम्मीदवारों को
इस हार्शिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

Africa attracted many anthropologists around the world, for their diverse and unique indigenous tribal communities. There was an anthropologist doing research in remote area of continent. He did an experiment, where he asked children to run for sweets, which are kept at loom distance around the tree, from them.

He was surprised to see what they did as soon as he pressed whistle. They held each other's hand, form a human chain, walked together, towards ^{the} tree and hold the tree, making them all winner for sweets. When asked, children smiled! They replied - 'If one of us wins, my other brother will be ~~said~~ sad'. So, we win

together. Collectively, they exclaimed -
'Ubuntu'. That was the tribe name
signifying - 'All for one and one for all'.

After further research, he found out that this very attribute helped the community to be resilient and adaptive to the changes. All we can learn from 'Ubuntu tribe' that world must learn to work together for the pressing changes it has been witnessing, else, it could lead to collapse.

In the following essay, we will explore the essay in various dimensions. As to what does working together of world means? How can they learn the same? What will happen if world fails to learn this? Are there any global concerns for which world must come together? Lastly, what is inhibiting the world to collectively act?

Indian philosophy always emphasized upon 'collectivism' spirit. At the family level, 'working together' could be understood in simplest way. Where everyone contributes according to their strength for the betterment of all. Here, one must assume their responsibility wholeheartedly and deliver in the best interest of everybody.

Moving forward, complexities arise at societal level where significant differences started to emerge. To overcome, these challenges by discourses, people organize themselves in groups. Mahasahabs of different religious - caste identities work for the betterment of their communities.

Also, pandemic times (COVID-19) were testimony of 'collective spirit'. When Sikh people organized langar for migrants was an example that work done collectively have larger impact and influence.

However, it gets more complex as ~~and~~ divergence gets intertwined at many factors of languages geography, demography, religion etc at State, National and International level. Whenever we have narrowed down on divergent points and emphasized upon convergence, transformation has taken place.

If we talk about tax regime present in India before 2017 in States, it has limited economic growth by creating informalisation of economy. Now, with the spirit of cooperative federalism, Goods and Services Tax (GST) came into picture. It eliminated inter-state barriers and ushers into new development paradigm. All this would not have been possible, if States did not get on board with the idea.

Similarly, at the ^{Inter-}National level, countries understood that release of Chlorofluorocarbons was the reason behind Ozone hole depletion. World collectively acted and with 'Montreal Convention' pushed for strict and binding reforms to counter the increasing size of ozone hole. It worked with the collective spirit of all nations, together.

For all may it seem that working together is the solution for all major problems, it is still a major obstacle to overcome. What are the inhibiting factors that restricts world to come together? We will explore this in next few paragraphs.

The answer lies in human psychology itself, where urge for accumulation of wealth, fame or power clutters his mind to think beyond self advancement. The other philosophies of Zero-Sum-Game

theory, sees that for upliftment of some requires suppression of others, is another example that creates faultlines in society. And then, there is wrong cognitive values of pride, ego, jealousy etc that wishes the downfall of others in order for one to thrive.

Furthermore, unhealthy competition among states, corporates or Nations fuels differences in social-fabric affecting long term sustainable development. It all begins with the creation of parochial identities, which inhibit the realisation that all are human beings first and rest, later. For all these reasons and maybe more, world is experiencing divergence on key issues which is not helping everybody in any capacity.

As Bertrand Russel said - 'There must be coexistence or no-existence at all'; it highlighted the necessity of World cooperation on key issues of eradicating poverty, providing more social justice, reversing climate change effects, counter-terrorism and equitable usage of new and emerging technologies.

If world failed to come together the solution to problems and most importantly, executive of solutions will surely failed us all. It will lead to destruction and collapse.

As we currently witnessing that Earth is undergoing 6th Mass extinction event in its geological history which is completely because of anthropological reasons. We could witness rising pace of extinctions, if not acted sooner and together.

Since, we are in globalised world, problems and issues of one country is not limited to their frontiers, it spreads to others too. We have seen it in COVID-19 case where virus spreads all over within a month. Collective action and swift planning helped in formulating vaccines, policies to contain it which made the world on track again.

Similarly, ongoing conflicts in Ukraine and Gaza strip is not their problem anymore. It is affecting everybody by rising inflation, affecting food security etc. Hence, collective action of countries led by USA in Red Sea through 'Operation Prosperity Guardian' to counter Hamas attacks was seen as positive move by securing sea lanes of communication. However, rising China is being seen as dominant bloc' countering Chi USA hegemony, which necessitates

counter balancing of relations with by India. This has made the world to converge on issue a lot difficult.

For this, country like India has an edge. Historically, it has been part of Non-aligned movement and now, its ideals and foreign policy values of respect towards sovereignty and territorial integrity of countries, allays fear of nations in seeing India as leader.

India has successfully tried to make world work together while being head of G20. We were successful in issuing joint statement amidst Ukraine crisis, incorporation of African Union - places us as leader of Global South and mentioning of reforms in multilateral institutions. This coupled with BRICS expansion is the realisation that realignment and convergence of issues is needed for the global stability and progress.

Furthermore, world has come together to prepare ethical framework for the usage of new technologies, for countering radicalisation and terrorism and adoption of renewable energy by initiatives like International Solar Alliance.

Therefore, it is necessary to assume moral responsibility and realisation of nations that 'Non-cooperation with evil is as much as duty as cooperation with good', hence; global policies must be framed in just, equitable, progressive and eco-centric way.

One must not forget that humans are social beings and therefore we thrive in inter-dependence, just like Ubuntu did. In order to solve global challenges, world needs to learn to work together by engaging in discourse

dialogues and diplomacy to find solutions. As it is said that 'Weakest link of chain is as important as the strongest link'; therefore weak players must not be left out of larger planning. In order for plans to work, it requires participation of all.

Concluding with,

No man is an Island,
entire of itself,
every man is piece of continent,
a part of main.

खण्ड – B / SECTION – B

उम्मीदवारों को
इस हिसाब में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

5. किसी विचार को स्वीकार किए बिना उसपर विचार करने में सक्षम होना ही शिक्षित मस्तिष्क की पहचान है।
It is the mark of an educated mind to be able to entertain a thought without accepting it.
6. एक ऐसी दुनिया में, जो लगातार तुम्हें कुछ और बनाने का प्रयास कर रही है, स्वयं को बनाए रखना सबसे बड़ी उपलब्धि है।
To be yourself in a world that is constantly trying to make you something else is the greatest accomplishment.
7. हम चीजों को वैसा नहीं देखते हैं जैसी कि वे होती हैं, बल्कि हम उन्हें वैसा देखते हैं जैसे कि हम हैं।
We don't see things as they are, we see them as we are.
8. सच जब तक अपने जूते पहन रहा होता है, झूठ तब तक आधी दुनिया का सफ़र तय कर लेता है।
A lie can travel half way around the world while the truth is putting on its shoes.

It is the mark of an educated mind to be able to entertain a thought without accepting it.

उम्मीदवारों को
इस हाशिये में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

We are living in the world like never before. We all are drowning in swarms of thoughts as it has become accessible by ways of podcasts, social media etc to get to know about what people think about anything.

Now, in times like these, it is difficult to not ~~have~~ ~~become~~ influence by thoughts surrounding us. Many a times, a deep self introspection is needed to understand that this is imposed thought and this is self made. This is precisely, the attribute of 'educated mind' who can get acquainted with a thought, can ponder upon it but will only accept it, ~~he~~ if he wants the same.

Educated mind is not a rat-race type follower rather a mind which engages with itself and focus on interpreting thoughts in new light, unique light. It does not mean that he self isolates, as in that way he would be away from diverse thoughts, it is to just entertain a thought without forcefully or unknowingly accepting it.

To understand the topic, it is necessary to begin with - What does 'educated ^{mind}, ~~mean~~ signifies? Is it just limited to school, or college education, or is it more?

An educated mind is the one where one has ability to critically analyse thoughts in multiple perspectives. They do not take things at face value, rather go behind the meaning of practice.

They challenge Status quoism and tread their own path. They do not fear people's judgement; nor need their acceptance to follow their pursuit; nor deter from controversy or challengers in finding answers and relinquishing their quest.

The course of history is laden with such personalities. The, once in a while, hit commercial by Apple tells this in his 'Think Different' campaign. It goes like - 'You can Here's to the misfits, the rebels - - - you can hate them or vilify them, but cannot ignore them; As they change the things, they propel the human race forward'.

Such, propelling personalities gave us diverse philosophies, governance systems or economic models. Personalities like Buddha or Mahavir countered the widely accepted Brahminical supremacy in later vedic times, by giving just, equitable, and simplified alternative to follow for masses.

This would have been possible because in Gana Sanghas from where both Buddha and Mahavira belonged, debates and discussions took place that helped them question the existing rituals and society; this changed their mindset and thereby, changing course of history.

Similarly, in colonial times, imperialism is at its zenith. Educated minds in Europe pondered upon an alternative model whereby common citizen has its voice heard and this marks the beginning of democracy by Glorious revolution. Later, gradually world accepted this as new form of government.

Another, personality who highlighted the lacunae of Capitalism as it created unequal society and fuelled concentration of wealth in hands of few.

was Karl Marx. He spoke in favour of 'working class' by countering the dominant 'Capitalist'. Gradually, world realised their mistake and adopted 'mixed economy' model by balancing-welfare and development.

If people chose to not question the authority or followed the already made notions and path, human race would have gone extinct by now. This is our quest, curiosity and ingenuity that keeps the civilizations running. However, if we look for 'educated minds' across domains and histories, we can easily cherry pick them. Why do you think this is the case?, Why it is difficult to not let the thought affect you?

It is because as Einstein said - 'Less than 5% people think, 15% people think, they think; and rest die than to think' emphasize the power to critically

Analyse any idea / thought when came across for the first time¹. Since, is a rarity - most people fear social ostracization or wants to be in the good books of dominant ideology or lacks self belief in their thought cannot be termed as 'educated mind'.

A recent incident, a very unfortunate one where 130 people died in Hathras stampede, 2024 is an example ^{where} of people followed a Godman and suffers from such consequence. If ~~Another~~, people started accepting and believing things prima-facie, then it will lead to dying down of scientific temper; hampering development of human capital.

Also, as it is easy to follow already developed thought than to create one becomes the reason as to why people follow 'herd mentality'.

Amongst the herd, people like Jadav Payeng referred as 'Forest man of India' challenging the common prevalent view that state resources and support is needed to combat climate change. His eco-friendly living and pursuit to develop forest in majuli island has helped afforestation on the island by single man's effort. He rejected the thought and followed his heart, marking him as educated person.

An educated mind is self-aware of himself and his surroundings. As Dr BR Ambedkar said - that 'cultivation of mind should be the ultimate aim of human existence'; then how can one focus upon becoming 'educated mind'?

We can see example of researchers where new approaches to research gets applauded and respected. Scientists appreciating a new thought, taking inspiration from it and using it

to create something new. It is said that 'no research is waste' as it can open door to something which is unknown to world. Initially, scientists laughed on Einstein for his theory, now with gravitational waves discovery, everything seems like possibility like, wormhole.

Acceptance to radical or new thoughts might take some time, but it should not deter to sway away from one's path. Society took time to accept Raja ram mohan ray or Savitribai Phule's ideas, but ultimately ~~it~~ they got wide acceptance by abolition of sati and ensuring education for all. These educated minds did not let the prevalent thought occult their understanding of right or wrong. Hence, they broke barriers and ushered change.

Hence, it becomes important to focus at the very basic unit i.e. parents for 'cultivation of mind'. Democratic parenting encourages equal participation of child whereby child's quest ~~to~~ values is pacified. Later, with onset of 'New Educational Policy, 2020'; all round educational development - physical, intellectual, spiritual and mental wellbeing is focus. It will inculcate 'scientific temper' amongst young individual of country.

As Socrates explained that 'Unexamined life is not worth living'; it is necessary ~~for to see~~ self introspect and take time off from social media to reflect upon your own understanding of world. This will help in being tolerant to the diverse opinions and will lead onto the path of knowledge. Plato said that gap between opinion and knowledge is spiritual poverty. Therefore, trait of educated

mind is to follow 'knowledge' to be truly, wise. For that attitude to develop, educated mind seeks knowledge at all age and at all times. Then, only we can be firm upon our thought and can be open to other's thoughts as well.

Ending with,

To know that we know nothing at all, is the beginning of true nature's call, for only in our humble admission can we truly embrace wisdom's commission.

उम्मीदवारों को
इस हार्शिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

VisionIAS

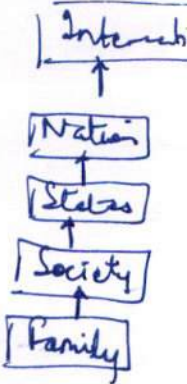
SPACE FOR ROUGH WORK

ESSAY-1

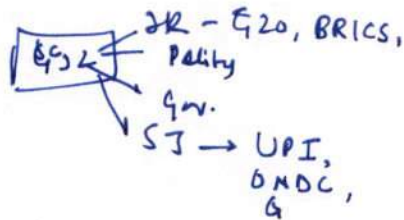
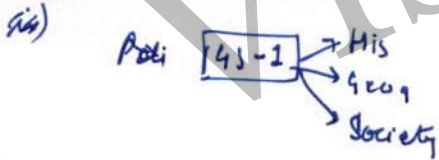
- Quote mean! i) Collective action
 - To remove poverty, Social Ills.
 - Climate change # Burtrand Russel
 - Terrorism
 - New technologies emergence
- If not, then
 - i) collapse
 - ii) Extinction (6th Mass)
 - Failed State
 - Inequal development.

- Q1. If not together, then why it will not work?
- Q2. What does it mean to be together? (1)
- Q3. For what reasons, world must come together? (3)
- Q4. What will happen, if world doesn't come together? (4)
- Q5. How can we bring world together? (5)
- Q6. What is inhibiting world to come together? (2)

- # Times when world came together
 - i) lost WW II peace
 - ii) Ozone hole
 - iii) COVID vaccine
- # Issues
 - i) Conflicts
 - ii) CC adversities
 - iii) Social inequalities



Globalisation



SPACE FOR ROUGH WORK

It is the mark of educated mind entertain a thought w/o accepting it.

1. What is educated mind?
2. How can one 'entertain' a thought? w/o accepting it?
3. How it affects one's personality? impact
 - Governance model.
 - Economic models.
 - dev. of philosophies.
 - dev. of tech.
4. How can one develop such attitude?
5. Why it is difficult for people to do this?
 - i) Require self introspection → Haidt's tragedy (Halo effect)
 - ii) Easier to follow 'trended path'
 - iii) Role model Syndrome; iv) 9% people think they teach; 5% people think they teach; rest did learn.

eg: | 1. Vivekanand; Bhagat Singh; MLK,
 History | 2. RRMR; Ambedkar; Savitribai Phule.

Business | 1. JK Rowling
 2. Einstein.

Civil Services | 1. officer;
 2. Ms Swaminathan.

Society

Politics → D P S P by constituent assembly.

IR →

Health → New Education Policy

Socrates

Emotional Intelligence

First they ^{from} laugh at you, ignore you, follow you.

SPACE FOR ROUGH WORK

AL

VisionIAS